This question paper contains **4+1** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5686**

Unique Paper Code : **205641** **E**

Name of the Paper : **Hindi C**

Name of the Course : **B.A. (Programme)**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 8+8+8=24

(क) निम्नलिखित **चार** काव्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(*i*) राज्य एक सार्थक साधन
अखिल-हित-वर्धन का
बनता है
धन्य है तब
निश्चय ही ऐसा क्षण,
त्याज्य है यदि बढ़ते दिखें
राज्य अपनाने से
पारस्परिक द्वेष-कलह,
संघर्ष लगें बढ़ने
और छिड़ने लगें
रौरव रण ।

P.T.O.

(*ii*) "सत्ता का ध्यान यदि
प्रीतिकर लगता है
वैभव की तुच्छ किसी
रूढ़ स्वार्थ-इच्छा से
इससे तो अच्छा मैं
मानूँगी जीवन-यापन
तेरा, कर लेना वत्स !
पावन-पुण्य भिक्षा से ।"

(*iii*) मेहँदी-रंजित मृदुल हथेली
पर माणिक मधु का प्याला,
अंगूरी अवगुंठन डाले
स्वर्ण-वर्ण साक़ीबाला,
पाग बैंजनी, जामा नीला
डाट डटे पीनेवाले;
इन्द्रधनुष से होड़ लगाती
आज रँगीली मधुशाला ।

(*iv*) धर्म ग्रंथ-सब जला चुकी है

जिसके अन्तर की ज्वाला,

मंदिर, मस्जिद, गिरजे–सबको

तोड़ चुका जो मतवाला,

पंडित, मोमिन, पादरियो के

फंदों को जो काट चुका,

कर सकती है आज उसी का

स्वागत मेरी मधुशाला ।

(ख) निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(*i*) यह प्रश्न भाई-भाई के प्रेम का नहीं है, अधिकारों के संघर्ष का है । प्रेम और अहिंसा की वेदी पर हम अपने प्राणों का विसर्जन कर सकते हैं परन्तु अपने अधिकारों का विसर्जन हम बिना युद्ध के नहीं करेंगे । जो व्यक्ति अपने अधिकार की रक्षा नहीं कर सकता उसको क्या आप राजा कह सकते हो, महामन्त्री ?

अथवा

हम राजा हैं, इसलिए हम विवश हैं इस राजधर्म का पालन करने को, और राजधर्म नाते-रिश्तों की चिंता नहीं करता । एक भाई अपने बड़े भाई को प्रणाम कर सकता है, पर एक स्वतंत्र शासक दूसरे शासक को प्रणाम नहीं कर सकता ।

(*ii*) समाज में स्त्री और पुरुष दोनों ही हैं और जब तक दोनों की उन्नति न होगी, जीवन सुखी न होगा । पुरुष के विद्वान होने से क्या स्त्री विदुषी हो जाएगी ? पुरुष तो आखिरकार सादे ही कपड़े पहनते हैं, फिर स्त्रियाँ क्यों गहनों पर जान देती हैं ? पुरुषों में तो कितने ही क्वारे रह जाते हैं, स्त्रियों को क्यों बिना विवाह किये जीवन व्यर्थ जान पड़ता है । बताओ ?

अथवा

उस घर का एक-एक कोना उसके लिए मधुर-स्मृतियों से रंजित था । सौभाग्य-सूर्य के अस्त हो जाने पर भी यहाँ उसकी कुछ प्रतिध्वनि आती रहती थी । घर में विजरते हुए उसे अपने सौभाग्य का विषाद में गर्व होता रहता था । आज सौभाग्य-सूर्य का वह अंतिम प्रकाश मिटा जा रहा था, सौभाग्य-संगीत की प्रतिध्वनि एक अनंत शून्य में डूबी जाती थी, वह विषादमय गर्व हृदय को चीरकर निकला जाता था ।

2. 'कालजयी' की भाषा **अथवा** प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए । 15

अथवा

'मधुशाला' में व्यक्त सामाजिकता **अथवा** जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालिए ।

3. 'पूर्णा' का चरित्र-चित्रण कीजिए । 15

अथवा

'प्रतिज्ञा' में वर्णित समस्याओं पर विचार कीजिए ।

4. नाटकीय तत्वों के आधार पर 'सत्ता के आर-पार' नाटक की समीक्षा कीजिए । 15

अथवा

भरत और बाहुबली के आपसी संबंधों पर विचार कीजिए ।

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 6

(क) 'मधुशाला' की प्रतीकात्मकता

(ख) 'सत्ता के आर-पार' की भाषा-शैली ।